

कृष्ण सदगुरु देवाय नमः कृ खोड़म् कृ कृ जय माता दी कृ
कृ सीताराम बाबा जी कृ जय बाबा की कृ श्याम बाबा कृ कृ कृ
कृ ! जाके सुधिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रहन बेद प्रकासा!! ! कृ

केन्द्र व उत्तराखण्ड सरकार से विद्यापत्र मान्यता प्राप्त

● उल्लंघन सिद्धोः सलिलं सलीलं, यशोकवहि जनकात्मजावा: ● आदाय तेनैव ददाह लंकां, नपामि तं प्राज्ञलिगज्जनेयम्
● मनोजवं मारुतं तुल्यं वेगं, जितेन्द्रियं वृद्धिमतो वरिष्ठम्. ● वातात्मजं वानस्यूषं मुख्यं, श्रीरामं दूरं शरणं प्रवद्ये कं

● हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तराखण्ड कंपण

अंक १६६ पृष्ठ ८ रुद्रपुर(अधमसिंहनगर) बृहस्पतिवार २३ मार्च २०२३

वर्ष २३ अंक १६६

पृष्ठ ८

रुद्रपुर(अधमसिंहनगर)

बृहस्पतिवार

२३ मार्च २०२३

मूल्य दो रुपया

darpan.rdr@gmail.com

9897427585

UTTARANCHAL DARPARAN

www.uttaranchaldarpan.in

द्वितीय नवरात्र



नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा की जाती है। मां के इस दिव्य स्वरूप का ध्यान हमारे जीवन को नैतिक व चारित्रिक बल प्रदान करता है।

बस से कुपलकर पांच श्रद्धालुओं की मौत, सात घायल

बैक करते समय श्रद्धालुओं पर चढ़ी अनियंत्रित बस, हादसे पर सीएम ने जताया शोक

टनकपुर (उद संवाददाता)। पूर्णांगिर मार्ग पर दुनियागढ़ के पास दर्दनाक हादसे में बस के नीचे कुचलकर पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गयी जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। घायलों का अस्पताल में उपचार है। हादसे के शिकार अधिकांश लोग यूपी के बहराईच जिले के हैं। घटना की सूचना पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। वहाँ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धार्मी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया है। घटना तड़के करिब पांच बजे की है। बताया जाता है।



किस संख्या योग्य २/३७५१ को चालक बैक कर रहा था। इस दैरेन बस वहाँ पर सो रहे श्रद्धालुओं के उपर चढ़ गई।

जिससे चीख पुकार मच गई। आनन फानन में मौके पर पहुंची पुलिस व अन्य लोगों ने बस की चपेट में आए श्रद्धालुओं

को उप जिला चिकित्सालय टनकपुर पहुंचाया। हादसे में बढ़ी नारायण पुत्र राम लखन उम्र ४३ वर्ष, निवासी सौहराव, बहराईच उ.प्र., ५९ वर्षीय कुमुम देवी पत्नी राम सूरत निवासी सौहराव थाना रामगांव, बहराईच उ.प्र., ४० वर्षीय पार्वती (शेष पृष्ठ सात पर)

शुगर मिल में आग से लाखों की क्षति

शुगर मिल में आग लगने से हड्कम्प मच गया। सूचना पर दमकल के तीन वाहनों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू किया।

अग्निकाण्ड में लाखों की क्षति का अनुमान है। जानकारी के मुताबिक नादेही शुगर मिल इलेक्ट्रिक पैनल टरबाईन मशीन में तड़के अज्ञात कारणों से आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने विकाराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री



कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की पलटे और तेज हो गयी। होजपाइप फैलाकर प्लाट में फैल रही आग को बुझाना आरंभ किया। पानी

महेश चन्द्र के नेतृत्व में तीन फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची और आग पर पर्सिंग की गयी। टरबाइन मशीन के ऑयल टैंक में लगी आग को फायर यूनिट द्वारा वॉटर मिस्ड फायर एक्स्टिंग्युशर व मिनी हाई प्रेशर से फोम बनाकर आग पर लगातार फोम डाला गया और आग को फैलने से रोकते हुए पूर्ण रूप से बुझाया गया। घंटों की मशक्कत के बाद प्लाट में स्थापित दोनों टरबाइन मशीनों को आग से बचा

किया गया। अग्निकाण्ड में लाखों की क्षति का अनुमान है। आग बुझाने आयी टीम में एफएस (शेष पृष्ठ सात पर)

जल संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी ने होटल के कमरे में जहर खाकर दी जान

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा में तैनात जल संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी ने हल्द्वानी स्थित एक होटल में आत्म हत्या कर ली। पुलिस को सूचना मिली कि रोडवेज बस स्टेशन के पास तिवाड़ी ट्रिस्ट होटल का एक कमरा अंदर से बंद है। करेर में गेस्ट ठहरा हुआ था। इस पर कोतवाल, एसएसआइ विजय मेहता व मंगलपड़ाव चौकी इंवार्ज जगदीप ने गी मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर देखा तो बेड पर शव पड़ा था। पास में सल्फेश का डिब्बा व एक बैग था। होटल के रिसेप्शन में मृतक का आध र कार्ड जमा था। जिससे शिनाख अल्मोड़ा के चिंकुड़ा पटगलिया, महरगांव निवासी ५४ वर्षीय राधाकिशन जोशी पुत्र रेमें चंद्र जोशी के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक राधाकिशन अल्मोड़ा जल संस्थान कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्रवात थे। मंगलवार शाम छह बजे राधाकिशन ने किराए पर कमरा लिया था। दो शाम खाना खाया। इसके बाद बाहर नहीं आए।



फ्रैंचाइजी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले चार दबोचे

देहरादून (उद संवाददाता)। एमसी डोनाल्ड और केएसी कंपनियों की फर्जी बैब साईट बनाकर लोगों को फ्रैंचाइजी दिलाने के नाम से लाखों की धोखाधड़ी करने वाले गैंग के ४ सदस्यों को एसटीएफ के साईटर ब्राईम पुलिस द्वारा लगातार दबिशें देकर पटना बिहार से गिरपतार करने में सफलता पाई है। एक प्रकरण में प्रशासनिक निवासी आशुतोष नगर ऋषिकेश देहरादून द्वारा मैकडोनल्ड रेस्टोरेंट की फ्रैंचाइजी के लिए आवेदन करना जिसके पश्चात अज्ञात व्यक्ति द्वारा शिकायतकर्ता को अनुलाइन धोखाधड़ी की शिकायत की



को कॉल कर स्वयं को मैकडोनल्ड का हेड ऑफ वैरिफिकेशन टीम से बताकर कम्पनी में रजिस्ट्रेशन, एनओसी तथा कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर बताकर कर फेक वैबसाईट बनाकर फ्रैंचाइजी देने को कार्य कर फेक वैबसाईट बनाकर फ्रैंचाइजी देने के नाम पर सम्पूर्ण भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में धोखाधड़ी की जा रही है, जिस

गयी थी। शिकायत पर थाना साइबर क्राईम पर मामला पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम द्वारा छानबीन करने पर पता चला कि अधियुक्त गण द्वारा गैंग के रूप में कार्य कर फेक वैबसाईट बनाकर फ्रैंचाइजी देने के नाम पर सम्पूर्ण भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में धोखाधड़ी की जा रही है, जिस

सम्बन्ध में अन्य राज्यों से शिकायतों के लिंक भी प्राप्त हुए हैं। गठित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाइल नम्बर, तथा अधियुक्तों द्वारा शिकायतकर्ता से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रकाश में आया कि अधियुक्तों द्वारा शिकायत करते से मैकडोनल्ड की फ्रैंचाइजी देने के नाम पर वादी मुकदमा से धोखाधड़ी की गयी। मोबाइल नम्बर व खातों की जानकारी से अधियुक्तगणों का पटना बिहार से सम्बन्ध होना पाया गया जिसमें टीम को सम्बन्धित स्थानों को रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा अथवा अधियुक्त गण द्वारा गैंग के रूप में कार्य कर फेक वैबसाईट बनाकर फ्रैंचाइजी देने के नाम पर सम्पूर्ण भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में धोखाधड़ी की जा रही है, जिस पर खोले गये बैंक (शेष पृष्ठ सात पर)

लूट के मामले में चार आरोपी किये गिरफ्तार

रामनगर(उद संवाददाता)। बुधवार मुख्य बाजार से गुजर रहे एक व्यक्ति का बैग छीनकर लुटेरे फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कौतवाल अरुण (शेष पृष्ठ सात पर)



हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

गदरपुर (उद संवाददाता)। गिरधनर नगर की ग्राम प्रधान कविता गुम्बर को विजलेंस टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक गिरधनर नगर निवासी कौशल कुमार, जय सैनी, हरिशंकर शर्मा आदि ने



प्रधान पर शौचालय की फाईल पर हस्ताक्षर करने के एवज में दो दो हजार रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। साथ ही प्रधान के खिलाफ टोले फ्री नम्बर पर भी शिकायत की गयी थी। शिकायत पर हल्द्वानी से आयी विजलेंस की टीम ने गुरुवार को ग्राम प्रधान के घर पर औचक छापेमारी की। टीम ने शिकायतकर्ता को सुनियोजित ढंग से प्रधान के पास भेजा था। इस दौरान (शेष पृष्ठ सात पर)

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण जयंती पर राममनोहर लोहिया को सपाईयों ने दी श्रद्धांजलि

रुद्रपुर(उद्द संवाददाता)। पूर्व विधि
एक राजकुमार दुकराल व समाजसेवी
संजय दुकराल ने शहीदी दिवस पर
समर्थकों के साथ शहीद भगत सिंह की
प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन
किया। इस दौरान उन्होंने शहीद
सुखदेव, शहीद राजगुरु सहित देश के
स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए महापुरुषों
कर गए। उन्होंने कहा कि यह दिवस न
केवल देश के प्रति सम्मान और हिंदुस्तानी
होने वा गौरव का अनुभव कराता है
बल्कि वीर सपूत्रों के बलिदान को भीगे
मन से श्रद्धांजलि देता है। वर्हीं किसान नेता
तजिंदर सिंह विर्का ने कहा कि अमर
क्रांतिकारियों के बारे में आम मनुष्य की
वैचारिक टिप्पणी का कोई अर्थ नहीं है।

नारायण, सुल्तान सिंह, भुवन गुप्ता,
राकेश सिंह, स्पैस कोली, हरविंदर सिंह,
विपिन राजपूत, गौरव शुक्ला, आशीष
श्रीवास्तव, राहुल गुप्ता, महेंद्र आर्य, मौटी
खेड़ा, अक्षत चंदोला, कमल राणा,
रजनीश गंगवार, मिलन कुमार, विककी
चौहान, त्रिलोचन सिंह, हरभजन सिंह,
सुरज आर्य, मौटू आर्य, दर्शन आर्य,

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। डा.
राम मनोहर लोहिया की 113 वी जयंते
पर आज सपा उत्तराखण्ड प्रभारी हाज़
अब्बुल मरीन सिंहदीकी के कार्यालय में
लोहिया जी के चित्र पर पुष्पअर्पित क

लोहिया जी आजादी से पहले व बाद में कुल 18 बार जेल गये और यातनाएँ झेली ठड़ूं। राममनोहर लोहिया का ये कथन कि लोग मेरी बात सुनें जरूर लेकिन मेरे मरने के बाद और यही कदु राममनोहर लोहिया के ही आदर्शों पर गुजारा और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि पूरा देश मुलायम सिंह यादव के विचारों का कध्ययल था। गोष्ठी में मुख्य रूप से जावेद सिद्धीकी, त्रिलोक कुमार,



को नमन करते हुए उनकी प्रेरणाओं को अपने जीवन में उतारने का आहवान किया। दुकराल ने कहा कि भारत के महान क्रांतिकारी भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु देश की प्रेरणा के पुंज हैं। उन्होंने कहा कि भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव भारत के बे सच्चे सपूत थे, जिन्होंने अपनी देशभक्ति और देशप्रेम को अपने प्राणों से भी अधिक महत्व दिया और मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर

उनके उज्ज्वल चरित्रों को बस याद किया जा सकता है कि ऐसे मानव भी इस दुनिया में हुए हैं, जिनके आचरण किंवदर्ती हैं। वहीं समाजसेवी संजय ठुकराल ने कहा शहीद भगतसिंह ने अपने अतिरिक्त संक्षिप्त जीवन में वैचारिक कार्ति की जो मशाल जलाई, उनके बाद अब किसी के लिए संभव न होगी। इस दौरान राजवीर सिंह, सुखवंत सिंह, राजू गुप्ता, सुनील चध, राज भसरी, राजेश ग्रोवर, अजय

अखिलेश शर्मा, धर्मवीर राजपूत, एसएन वर्मा, विजय शर्मा, विपिन सेनी, बॉबी दुटेजा, राहुल सरीन, संकेत ठाकुर, सचिन गंगवार, सतनाम सिंह, गोविंद राय, बंटी राजोरिया, राजेश कामरा, हरजीत सिंह, कुलदीप सिंह, जसवीर सिंह, विक्की मुंजाल, बंटी कोली, सुरीप सिंह, निर्मल हालदार, रविंद्र धर, अनिल खत्री, शैलेंद्र कोली, दीपक सागर, जंजीत सागर, आदि लोग उपस्थित थे। साथ-साथ लाला का समस्यावाज जानकी के वह रात-रात भर सड़को पर घूम-घूम कर देखते थे कि गरीब लोगों क्या खाते हैं। कैसे सड़कों पर सौ कि अपना जीवनयापन करते हैं।लोहिया जी ने अपना सारा जीवन नागरिक अधिकारों की रक्षा, अन्याय, व दमन व विरोध तथा समाज के दबे कुचले औंडे पिछड़े लोगों की बेहतरी के लिये हाथ लगाया। गाँधी जी के सत्याग्रह का उन्होंने हमेशा अपनाये रखा।उन्होंने कहा-

सत्य है। दाता, पृष्ठड़, शापिता के चिंतक डॉ० लोहिया को याद रखने का सबसे अच्छा तरीकंध यही हो सकता है हम उनके कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपने अमल में भी शामिल रखें सिद्धीकी ने कहा स्व. मुलायम सिंह यादव ने भी अपना पूरा जीवन डॉ० जरराद अध्यूष, अलाम असार, इस्ताम मिकरानी, गौरव गुप्ता, वकील अहमद, जावेद मिकरानी, मुनुज कुरैशी, उमर मतीन, नासिर हुसैन, जमील मिकरानी, अशरफ खाँ, सतीश कुमार, शकील अंसारी, सईद अख्दरतर, रेहान मलिक सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

शिविर में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया

गदरपुर। ग्राम महतोष, उधमसिंह नगर में वन हेल्थ कैंप का आयोजन किया

सम्मान समारोह में दिव्या नेगी सहित कई लोग हुए सम्मानित

रुद्रपुर (उद संवादाता)।
 उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आंदोलनकारी परिषद के बैरान तले मेट्रोपोलिस मॉल में स्वर्गीय इंद्रमणि बड़ों नीं स्मृति उत्तराखण्ड गौरव सम्मान समारोह एवं उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी प्रदेश

सम्मानित लक्ष्मी भट्ट को उत्तराखण्ड राज्य के पुरोधा स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनीर्सि स्मृति उत्तराखण्ड रत्न से सम्मानित किया गया। उत्तराखण्ड गौवर सम्मान से सम्मानित होने वालों में देवभूमि व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष राज्य

अनिल जोशी, दिनेश चंद्र भट्ट, सूरजपाल, भास्कर पांडे, अली अहमद, शिव शंकर भाटिया, बसंत धामी, गिरीश चंद्र पांडे, नरेंद्र सिंह मनवाल, प्रभात मठपाल, अमन खड़ायत, राजेंद्र भट्ट, दीपक रैतेला, नरेश चंद्र भट्ट, नन्दन सिंह बालम सिंह, महेंद्र शकुंतला, मोहित, जगदीश, गोपाल खत्री, पंकज खर्क वाल, हरमीत बाजवा बलविंदर सिंह, अनमोत्त अरोरा, नीरज रावत आदि शामिल हैं। उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आंदोलनकारी परिषद के अध्यक्ष



स्तरीय सम्मेलन किया गया। जी 20 देशों के सम्मेलन में उत्तराखण्ड का प्रतिनिधि त्व करने वाली मुख्य वक्ता दिव्या नेगी, समारोह में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष तील रौतेली परस्कार से आंदोलनकारी हुक्म सिंह कुंवर, मंडी समिति अध्यक्ष मुख्यमंत्री सलाहकार कमलेश सेमवाल, सुप्रीम कोर्ट के अधिकारी वक्ता रमन कुपार शाह, शकुंतला गिरीश तड़ीयाल, जनकी गोस्वामी, एसके नैयर

रावत, करमजीत सिंह चाना, संदीप पांडे, भारत सिंह, प्रेम सिंह परिहार, श्याम सिंह नेगी, पीपी सिंह परिहार, बीसी तिवारी, श्याम सिंह नेगी प्रियंका ठाकुर कंचन मंजूल मंजू नीलम कांडपाल अवतार सिंह बिष्ट ने सभी सम्मानित होने वालों को शुभकामनाएं दी सरकार की योजनाओं को जन जन तब पहुंचाने के लिए सम्मानित होने वाल सभी समाजसेवियों को प्रेरित किया

भूमिका को स्वीकार करता है। पशुपालन विभाग (एचडी), उत्तराखण्ड ने पशु स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के उपचार, कृमि नासन और आगे की उपचार सेवाओं के लिए पशु चिकित्सालयों को रेफर करने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने एनआरसीइ, हिसार की मदद से हीमो प्रोटोजोअन्स और परजीवी अंडों के लिए जानवरों के रक्त और मल परीक्षण भी किए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड ने समदाय के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया।

**व्रत वरोंजे करते हैं शरीर जर्जर सड़कों के बहुरेंगे दिन
की ओवरहॉलिंगः नदीम** भाजपा ने दीपक बाली ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

भाजपा ने दीपक बाली ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

काशीपुर(उद संवाददाता)। ब्रत व रोजे शरीर से टॉकिसन्स निकाल कर शरीर को शुद्ध करते हैं तथा खराब हुये टिश्युओं को पुनः जीवित करने व अंगों के सुचारू संचालन में योगदान करते हैं। इससे शरीर की ओवरहॉलिंग हो जाती है। 2016 में इससे संबंधित ऑटोफैगी विषय पर रिसर्च के लिये जापानी वैज्ञानिक योशिनोरी ओशुमी को मेडिकल साइंस का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। इन्होंने अपनी रिसर्च से प्रमाणित किया है कि लम्बी फास्टिंग से हमारा शरीर स्वयं खराब सैल खाकर अपनी उड़ा जरूरतें पूरी कर लेता है जिसके कारण एजिंग की प्रक्रिया मंद पड़ जाती है तथा कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों पर नियंत्रण में मदद मिलती है और पेंडों के समान शरीर भी फिर से हरा भरा व स्वस्थ हो जाता है। यह जानकारी प्रतिच्छित समाज सेवी संस्था मौलाना अबुल कलाम आजाद अल्पसंख्यक कल्याण समिति (माकाक्स) के केन्द्रीय अध्यक्ष तथा 44 कानूनी व जागरूकता पुस्तकों के लेखक नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा लिखित पुस्तक से है व खुशाली के लिये नमाज, रोजा व जकात का 2023 संस्करण आम जनता के लिये जारी करते हुये दी सभी मुसलमानों के लिये अनिवार्य नमाज व रोजा व खाता-पीतों पर अनिवार्य जकात के सांसारिक फायदे की जानकारी आसान हिन्दी में देने वाली नदीम उद्दीन (एडवोकेट) द्वारा लिखित पुस्तक का नया संस्करण 2023 आम जनता को नि:शुल्क डिजिटल उपलब्ध कराया जा रहा है जो मोबाइल, टैब वा कम्प्यूटर पर पड़ी जा सकता है। यह पुस्तक युग निर्माता तथा फेसबुक की वेबसाइट पर नि:शुल्क उपलब्ध है तथा 9411547747 पर व्हाट्स एप्प के माध्यम से भी उपलब्ध करायी जा रही है। इसे टैब मोबाइल तथा कम्प्यूटर पर आसानी से पढ़ा जा सकता है। श्री नदीम ने बताया कि मुसलमानों ने 1400 साल से अधिक क समय से योग अपना रखा है प्रत्येक मुसलमान के लिये पांच समय नमाज पढ़ना जरूरी है उसमें मुसलमान प्रतिदिन 23 बार वज्रासन करते हैं

रमजान में तराबीह पढ़ने पर यह 10 बार और अधिक हो जाता है। इसके अतिरिक्त नमाज में मुसलमानों द्वारा भू नमन, बज्जासन, दक्षासान, हस्तपदासन तथा सूर्य नमरस्कार सहित विभिन्न योगासनों की फ्रिस्थितियां की जाती हैं। नमाज के बाद तस्बीह में अंगठे से अंगुलियों को मिलाकर ध्यान मुद्रा, पृथ्वी मुद्रा, वरूण मुद्रा तथा आकाश मुद्रा सहित विभिन्न योग मुद्राओं भी स्वतः हो जाती है। इसलिये कोरोना काल में भी नमाज इम्युनिटी बढ़ाने में बहुत उपयोगी रही है। वर्तमान काल में जब दुनिया बढ़ती गरीबी से ज़दा रही है, इसमें जकात जिसमें प्रत्येक खाता-पीता व्यक्ति अपनी कुल सम्पत्ति का चालीसवां भाग गरीबों पर खर्च करता है, सांसार से गरीबी की समस्या से निवटने के लिये वरदान का काम कर सकती है। श्री नदीम ने रोजा, नमाज व जकात के सांसारिक लाभों को जानने में रूचि रखने वाले लोगों से पुस्तक पढ़कर अपने विचार देने का अनुरोध किया है ताकि अगले संस्करणों में और सुधार किया जा सके।

काशीपुर (उद संवाददाता) भाजपा नेता दीपक बाली ने क्षेत्र की जिंदगी के लिए बहुत योग्य सेवा की है। उनकी विभिन्न सेवाएँ जनता को हो रही भारी परेशानी बढ़ाती हैं। उनकी विभिन्न सेवाएँ जनता को ज्ञान देकर इनका अनुरोध किया जाना चाहिए। उनकी विभिन्न सेवाएँ जनता को ज्ञान देकर इनका अनुरोध किया जाना चाहिए। उनकी विभिन्न सेवाएँ जनता को ज्ञान देकर इनका अनुरोध किया जाना चाहिए।



ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 1 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताया है और कहा है कि नकल विरोधी कानून सहित धामी सरकार ने प्रदेश हित में जो निर्णय लिए हैं उनके चलते आज उत्तराखण्ड विकास के मार्ग पर दौड़ रहा है। धर्म रक्षक धामी की सरकार जनता की आकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उत्तर रही है। उल्लेखनीय है कि दिया था। मुख्यमंत्री श्री धामी ने भाजपा नेता दीपक बाली के अनुरोध को गंभीरता से लेते हुए 20 मार्च को उक्त दोनों सड़कों को बनाने की घोषणा कर दी है जिस पर मुख्यमंत्री कार्यालय के घोषणा अनुभाग 4 से अपर सचिव हीरा सिंह बसेडा ने घोषणा संख्या 147 व 148/2023 के संर्दह में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को 21 मार्च को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री की ओर से सड़कों बनाने हेतु निर्देशित कर दिया है।



एक साल नई सिसाल



संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- प्रदेश की मातृ शक्ति के हितों की रक्षा के लिए राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षेत्रिज आरक्षण।
- लखपति दीदी योजना में वर्ष 2025 तक प्रदेश की 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने की पहला।
- राज्य आंदोलनकारियों को 10 प्रतिशत क्षेत्रिज आरक्षण का निधि।
- चारधाम और कांवड़ यात्रा में कुर्हल प्रबंधन से रिफॉइं संख्या में आए श्रद्धालु।
- केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की तर्ज पर मानससर्कंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं के पौराणिक और प्राचीन मंदिर क्षेत्रों में अवस्थापनात्मक विकास।
- वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक जिला दो उत्पाद योजना।
- स्टेट मिलेट मिशन, मंडुआ की न्यूतस समर्थन कीमत 3574 रुपए प्रति विंचेटल पर खरीद।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में उत्तराखण्ड अग्रणी राज्य। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों के प्रतिभावान छात्रों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना।
- टेली मेडिसिन के लिए 400 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 04 मेडिकल कॉलेज से जोड़ा गया।
- 06 एरोमा वैली विकसित करने की योजना। 50 हजार पॉलीहाउस से बदलेगी उद्यानिकी की तस्वीर।

21 वीं सदी के विकासित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी

केदारनाथ, बदरीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के साथ ही टनकपुर-पिथौरागढ़ की सड़क कनेक्टिविटी में सुधार के लिये चारधाम ऑलवेदर सड़क परियोजना प्रतेरी से कामगतिमान।

दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड, नज़ीबाबाद-अफजलगढ़ बाईपास के साथ ही सिलारांज से टनकपुर मोटरमार्ग को चार लेन में परिवर्तित करने की स्वीकृति।

केन्द्र सरकार से पौंटा साहिब-देहरादून, बनबसा-कंचनपुर, भानियाबाला-क्रष्णकेश, काठगोदाम-लालकुंआ-हल्द्वानी बाईपास और रुद्रपुर बाईपास परियोजनाओं की महत्वपूर्ण सौगत।

ऋषिकेश-कर्णप्रिया रेल परियोजना पर तेजी से काम गतिमान।

गोरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदधाट-हेमकुण्ड साहिब रोपवे का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। पर्वतमाला परियोजना पर तेजी से काम गतिमान।

उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में भारत सरकार द्वारा 1202 मोबाइल टावर की स्वीकृति।

- इसके लिए बजट में 200 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरु प्रारंभ करने का निर्णय।
- नई खेल नीति से प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, खेल अवस्थापनात्मक सुविधाओं का विकास।
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में सब्सिडी बढ़ावा, 100 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान।
- नई पर्यटन नीति में स्वरोजगार को बढ़ावा, 100 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान।



भर्ती माफिया पर कड़ा प्रहार,
देश का सबसे सख्त
नकल विरोधी कानून।

अंत्योदय परिवारों को
साल में तीन गैस रिफिल
निःशुल्क।

समान नागरिक संहिता
के लिए मजबूती से
बढ़े कठम।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का होगा। उनके इस वाक्य ने उत्तराखण्डवासियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। केन्द्र सरकार से राज्य को प्रत्येक क्षेत्र में अमूल्यपूर्ण सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार सरलीकरण, समाधान, निक्षत्रान् और जनसंतुष्टि के मूलमंत्र पर चलते हुए अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास, कल्याण और उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमार्ष 2025 तक देवभूमि को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पुष्कर सिंह धार्मी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड



उत्तरांचल दर्पण

सम्पादकीय

वन्यजीवों के हमले

देश के अलग-अलग राज्यों के बन क्षेत्रों और उसके आसपास बसी इंसानी बस्तियों से तेंदुए या बाघ के हमले में लोगों के मारे जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। आम लोगों के सामने अपने स्तर पर बचाव के उपाय करने से लेकर सरकार से सुरक्षात्मक और वैकल्पिक इंजाम करने की फरियाद करने के अलावा और कोई चारा नहीं होता है। दूसरी ओर, वन्यजीवों के संरक्षण से जुड़े कई प्रश्न भी बेहद अहम हैं, जिनके चलते कई बार इस समस्या का कोई ठास हल निकालना मुश्किल होता है। लेकिन बाघ या तेंदुए के इंसानी बस्तियों में आ जाने या उनके हमले की वजह से होने वाली मौतें लगातार चिंता का विषय बनती गई हैं। जाहिर है, वन्यजीवों और मनुष्य के बीच जीवन की स्थितियों में बदलाव और टकराव के चलते अब ऐसे हालात पैदा होने लगे हैं कि नाहक जान जाने की घटनाओं की निंतरता बढ़ने लगी है। दरअसल वक्त के साथ बढ़ती आबादी या अन्य वजहों से जंगल के आसपास के गांवों में रिहाइशी इलाकों का विस्तार हुआ है। इससे बन क्षेत्रों का दायरा कम होता गया है और जंगली पशुओं के प्राकृतिक पर्यावास के क्षेत्र सिमटते गए हैं। इसका सीधा असर वन्यजीवों के जीवन पर पड़ता है और उसमें बाघ या तेंदुए के लिए भोजन से लेकर अधिक वास तक के मामले में असहज स्थितियां पैदा होती हैं। इसके अलावा, बनों में अवैध शिकार करने वालों की वजह से भी संरक्षित पशुओं के सामने संकट खड़ा होता है। परिस्थितिकी और जैव विविधता की कसौटियों और अनिवार्यात्मों को समझने वाले तमाम लोग यह जानते हैं कि एक ओर जहां मनुष्य का जीवन अनमोल है, वहां पशुओं और खासतौर पर कुछ विलुप्तप्राय जीवों का संरक्षण प्राकृतिक संतुलन के लिए कितना जरूरी है। लेकिन इस मामले में सरकार से लेकर आम लोगों तक की लापरवाही के अलावा अवैध रूप से जानवरों का शिकार करने वाले गिरोहों की ओर से जंगल और उसके आसपास के इलाकों में ऐसे दबाव पैदा हो रहे हैं कि उसमें रहने वाले कई पशुओं के भीतर असुरक्षा की स्थिति में आक्रामक प्रवृत्ति में बढ़तेरी हो रही है। हालांकि वन्यजीव खुद ही अपने लिए सहज और प्राकृतिक पर्यावास की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस क्रम में उनका सामना इंसानी आबादी से होता है। बचाव की कोशिश में हुए संघर्ष की वजह से नाहक ही जान जाने के हालात पैदा होते हैं। कभी जंगली इलाकों का दायरा बड़ा था और इंसानी बस्तियों की भी सीमा था। तब मनुष्य और पशु, दोनों को अपनी जीवन स्थितियों में एक दूसरे से बहुत बाधा नहीं आती थी। लेकिन बढ़ती आबादी के साथ कृषि भूमि का विस्तार, शहरीकरण और औद्योगीकरण में वृद्धि के मकसद से जंगलों की कटाई की वजह से वनक्षेत्र सिकुड़ते गए। इसकी वजह से बाघ, तेंदुआ और हाथी जैसे कुछ पशुओं के अक्सर इंसानी बस्तियों की ओर चले जाने और मनुष्यों पर हमलों की घटनाएं बढ़ती हैं। जरूरत यह है कि जंगल क्षेत्रों के आसपास रहने वाली इंसानी आबादी को वन्यजीवों की प्रकृति और परिस्थितिकी संतुलन में उनकी अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही इंसानों के जीवन के लिहाज से खतरनाक पशुओं के लिए सुरक्षित अभ्यारणों को और बेहतर बनाया जाए।

वभिन्न जनपदों में 824 अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में नियुक्त किया

दे हरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में नारी शक्ति उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में 187 एनएम को नियुक्ति पत्र दिए। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कुल 824 चयनित अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने चयनित सभी एनएम को बधाई देते हुए कहा कि हमारी इन बहनों को जन सेवा करने का भगवान ने सुनहरा अवसर दिया है, जन सेवा करने से इनको जो संतुष्टि मिलेगी एवं लोगों का जो आशीर्वाद मिलेगा उससे इनका जीवन पूर्णतः सफल होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सुदूर गांवों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले इसके लिए इन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में नियुक्ति प्रदान की जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं व शिशुओं

की भी देखभाल करने की इन पर जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य प्रतिक्षत क्षेत्रिज आरक्षण दिया जा रहा है। सरकार मातृ शक्ति को आत्मनिर्भर और

संकल्पित है। राज्य में महिलाओं को 30

प्रतिशत क्षेत्रिज आरक्षण दिया जा रहा है।

गणेश जोशी और श्री चंदन राम दास ने भी विचार रखे। इस अवसर पर कुलपति हे.न.ब. चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रो.



शहादत दिवस पर याद किए गए भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव

रामनगर (उद संवाददाता)। शहादत दिवस पर देश की आजादी के क्रांतिकारी शहीदों भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के माध्यम से याद किया। एम पी इंटर कालेज, पी एन जी पी जी महाविद्यालय एवं मीडिया फुले सायंकालीन स्कूल में कार्यक्रम हुए। एम पी इंटर कालेज में हुए कार्यक्रमों में जूनियर कक्ष के बच्चों ने भगतसिंह व उनके साथियों के चित्र बनाए, उनके लिखे पत्रों व लेखों का वाचन किया, आजादी के दौर के अनेकानेक तराने गाते हुए परिसर को इंकलाब जिंदाबाद के नारों से गुंजायामान कियागया। एन जी पी जी महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से कार्यक्रम

सशक्त बनाने के साथ ही उनके जीवन में अपना एक अलग स्थान बनाया है और कल्याणकारी परिवर्तन लाने और उनके भविष्य को उत्कृष्ट बनाने के लिए दृढ़

में अपना एक अलग स्थान बनाया है और प्रदेश का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम प्रदेश का स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं व शिशुओं

हेमचंद्र पाण्डे, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. विनीता शाह, प्राचार्य दून मैडिकल कॉलेज डॉ. आशुतोष सयाना उपस्थित रहे। चंद पंत ने कहा भगतसिंह ने जीवन के कुल 23 वर्ष ही पूरे किए। इनमें दो बर्ष जेल के भीतर। अपने जीवन के चार सक्रिय सालों में उन्होंने विजली की गति से क्रांतिकारी काम किया। राजनात्मक शिक्षक मंडल के संयोजक नवें मठपाल ने कहा भगतसिंह हमें निस्वार्थ दृढ़ इशारे के साथ विचारधारात्मक समझदारी व तर्कशील वैज्ञानिक दृष्टिसे इतिहास की ओर आसपास की ओर भविष्य की समस्याओं के विश्लेषण का तरीका भी सिखाते हैं। पंजाब के क्रांतिकारी कवि अवतार सिंह पाश को भी उनकी काम किया गया। शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले कीर्य, साहस, देशभक्ति और आत्मबलिदान कीर्तिकारी भी हैं। चंद पंत ने कहा भगतसिंह ने जीवन के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले कीर्य, साहस, देशभक्ति और आत्मबलिदान कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले

कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले

कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले

कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले

कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

समस्याओं के विश्लेषण की क्षमता वाले

कीर्तिकारी भी हैं।

के सर्वोत्तम उदाहरण हैं वरन वे अपने

लक्ष्य के प्रति स्पष्टता, वैज्ञानिक

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक

